अध्याय - 4 | सामाजिक न्याय

QUIZ-01

1. **कौन-सा न्याय सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि सभी व्यक्तियों को समान कार्य के लिए समान पारिश्रमिक मिले, चाहे जाति या लिंग कुछ भी हो?**
A. आनुपातिक न्याय
B. समतुल्य व्यक्तियों के लिए समान व्यवहार
C. बाजार आधारित न्याय
D. राज्य हस्तक्षेप (B)
व्याख्या: यह सिद्धांत कहता है कि समान कार्य करने वाले सभी व्यक्तियों को समान पारिश्रमिक मिलना चाहिए और जाति या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

2. **जॉन रॉल्स की 'अज्ञानता का आवरण' की अवधारणा का मुख्य विचार क्या है?**
A. सामाजिक स्थिति को नजरअंदाज करना
B. दूसरों को आंख मूंदकर आंकना
C. इस ज्ञान के बिना निर्णय लेना कि भविष्य में समाज में अपनी स्थिति क्या होगी
D. वर्तमान कानूनों की उपेक्षा करना (C)
व्याख्या: जब व्यक्ति को यह पता न हो कि उसका भविष्य में समाज में स्थान क्या होगा, तो वह निष्पक्ष और सभी के लिए लाभकारी नियम बनाने की ओर प्रवृत्त होता है।

3. **न्याय की दृष्टि से विशेष आवश्यकता को पहचानने का उदाहरण कौन-सा है?**
A. असमान कार्य के लिए समान वेतन
B. सभी छात्रों को समान परीक्षा समय देना
C. दृष्टिहीन छात्र को अतिरिक्त परीक्षा समय देना
D. केवल अमीरों के लिए लाभ आरक्षित करना (C)
व्याख्या: न्याय में कभी-कभी विशेष आवश्यकताओं को मान्यता दी जाती है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को प्रदर्शन का समान अवसर मिल सके।

4. **भारत के संविधान द्वारा सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए किस प्रथा को समाप्त किया गया था?**
A. संपत्ति कर B. अस्पृश्यता
C. आरक्षण नीति D. मुक्त बाजार (B)
व्याख्या: भारतीय संविधान ने समानता सुनिश्चित करने और निचली जातियों को गरिमा दिलाने के लिए अस्पृश्यता की प्रथा को समाप्त कर दिया।

5. **वितरणात्मक न्याय का मुख्य उद्देश्य क्या है?**
A. केवल अमीरों के साथ समान व्यवहार
B. संसाधनों का संचय
C. सामाजिक वस्तुओं और सेवाओं का न्यायपूर्ण वितरण
D. अपराध के लिए कानूनी दंड (C)
व्याख्या: वितरणात्मक न्याय यह सुनिश्चित करता है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास जैसे संसाधन समाज के सभी वर्गों में उचित रूप से वितरित हों।

6. **निम्नलिखित में से कौन-से दार्शनिक का विचार है कि शासक को सभी नागरिकों के कल्याण की चिंता करनी चाहिए?**
A. कार्ल मार्क्स B. सुकरात
C. कन्फ्यूशियस D. अरस्तू (B)
व्याख्या: सुकरात ने न्याय को लोगों के सामूहिक कल्याण से जोड़ा और कहा कि शासक का दायित्व सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करना है।

7. **केवल मुक्त बाजारों पर न्याय की जिम्मेदारी छोड़ने की आलोचना का मुख्य आधार क्या है?**
A. यह गुणवत्ता कम कर देता है
B. यह प्रयास की उपेक्षा करता है
C. यह पहले से ही विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों को बढ़ावा देता है
D. यह लोगों को आलसी बना देता है (C)
व्याख्या: मुक्त बाजारों में आमतौर पर वही लोग लाभान्वित होते हैं जो पहले से संसाधनों और अवसरों से युक्त होते हैं, जिससे असमानता बढ़ती है।

8. **कौन-सा न्याय सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि मेहनत, कौशल या जोखिम के आधार पर इनाम दिया जाए?**
A. बाजार आधारित न्याय B. अज्ञानता का आवरण
C. विशेष आवश्यकताओं की मान्यता
D. आनुपातिक न्याय (D)
व्याख्या: यह सिद्धांत कहता है कि कार्य का मूल्यांकन उसके प्रयास, कौशल और जोखिम के आधार पर किया जाना चाहिए और उसी अनुरूप इनाम दिया जाना चाहिए।

9. **रॉल्स के अनुसार, समाज में न्याय के लिए कौन-सा दृष्टिकोण तर्कसंगत है?**
A. दूसरों के लिए त्याग करना B. कानून पर अंधा विश्वास
C. सबसे कमजोर व्यक्ति के दृष्टिकोण से सोचना
D. धार्मिक नियमों का पालन (C)
व्याख्या: रॉल्स मानते हैं कि जब व्यक्ति यह नहीं जानता कि वह किस स्थिति में जन्म लेगा, तो वह ऐसे नियम चुनेगा जो सबसे कमजोर वर्ग के लिए भी उचित हों।

10. **कुछ परिस्थितियों में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य हस्तक्षेप क्यों आवश्यक होता है?**
A. व्यापार के अवसर बनाने के लिए
B. बाजार को बढ़ावा देने के लिए
C. सभी नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए
D. कर हटाने के लिए (C)
व्याख्या: जब निजी क्षेत्र गरीबों तक आवश्यक सेवाएं नहीं पहुंचा पाता, तब राज्य को हस्तक्षेप कर शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करनी पड़ती हैं।

मिशन ज्ञान जब चाहें जहाँ चाहें। 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App